



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)
प्रतिष्ठान से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 214] नई दिल्ली, बुधवार, मई 14, 1992/वैशाख 24, 1914
No. 214] NEW DELHI, THURSDAY, MAY 14, 1992/VAISAKHA 24, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)
प्रविसूचना

नई दिल्ली, 14 मई, 1992

सा.का.नि. 483(अ).—नौस सिलेक्टर नियम, 1981 का और संशोधन करने के लिए कठिपय नियमों का निम्नलिखित प्राव्य जिसे केन्द्रीय सरकार भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) को धारा 5 और 7 द्वारा प्रवृत्त सक्तियों के प्रयोग करते हुए, बनाता चाहती है, उक्त अधिनियम को धारा 18 की उप-धारा (1) की प्रपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके कृत्य प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्राव्य पर उक्त तारीख

से 45 दिन की अवधि की समाप्ति पर या उनके पश्चात् जिसको इस अधिसूचना की भारत के राजपत्र में प्रकाशित प्रतिमां जमा की उपलब्ध करा दी जाती है, विचार किया जाएगा।

जिन्हें ऐसे अवशेषों या सुमारों पर जो उपर्युक्त विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम गैस सिलिण्डर (संशोधन) नियम, 1992 है।
2. गैस सिलिण्डर नियम, 1981 के नियम 35 के उपनियम (1) के अंत में निम्नलिखित परन्तुक प्रस्तापित किया जाएगा, अर्थात्:—
“परन्तु ऐसे सिलिण्डरों को जिनमें उतनी मात्रा में व्यजनशील हो जितने रखने के लिए नियम 52 के खंड (ग) के अधीन अनुज्ञप्ति आवश्यक नहीं है, ऐसे सिलिण्डरों के साथ बहुत कम आसनेवाला जिनमें अन्य प्रकार के संपीडित गैस हों”।

[फा.सं. 2(10)87—डी पी आर/ई जी जी एस]

ए.पी.सिंह, संयुक्त सचिव

पाठ दिव्य :

मूख्य नियम उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग की सरकारी अधिसूचना सं. सा.का.नि. 77(अ) दिनांक 24 फरवरी, 1981 द्वारा पृष्ठ 287-326/8 में भारत के राजपत्र, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) दिनांक 24 फरवरी, 1981 में प्रकाशित किए गए थे, और इन्हें बाद में भारत के राजपत्र, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) दिनांक 29-1-91 में प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा.का.नि. 80(अ) दिनांक 29-1-91 द्वारा संशोधित किया गया था।

MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th May, 1992

G.S.R. 493(E).—The following draft of certain rules further to amend Gas Cylinders Rules, 1981, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sections 5 and 7 of the Explosives Act, 1884 (4 of 1884) is hereby published, as required by sub-section (1) of section 18 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of 45 days from the date on which copies of this Notification as published in Gazette of India are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person in respect of the said draft before the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Gas Cylinders (Amendment) Rules 1992.

2. In sub-rule (1) of rule 35 of the Gas Cylinders Rules, 1981, the following proviso shall be inserted at the end; namely :—

“Provided cylinders containing flammable gases in quantity for which no licence is necessary for possession under clause (c) of rule 52 may be transported alongwith cylinders containing other type of compressed gases.”.

[F. No. 2(10)/87-DPR/EGGS]

A. P. SINGH Jt. Secy.

FOOT NOTE :

The Principal Rules were published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (i) dated 24th February, 1981 at pages 287-326/8 vide Government Notification of the Ministry of Industry Department of Industrial Development No. GSR-77(E) dated 24th February, 1981 and were subsequently amended by Government notification No. GSR-50(E) dated 29-1-91, published in the Gazette of India, Part-II Section 3, Sub-section (i) dated 29-1-91.

